# पांच चियां गिन बजार

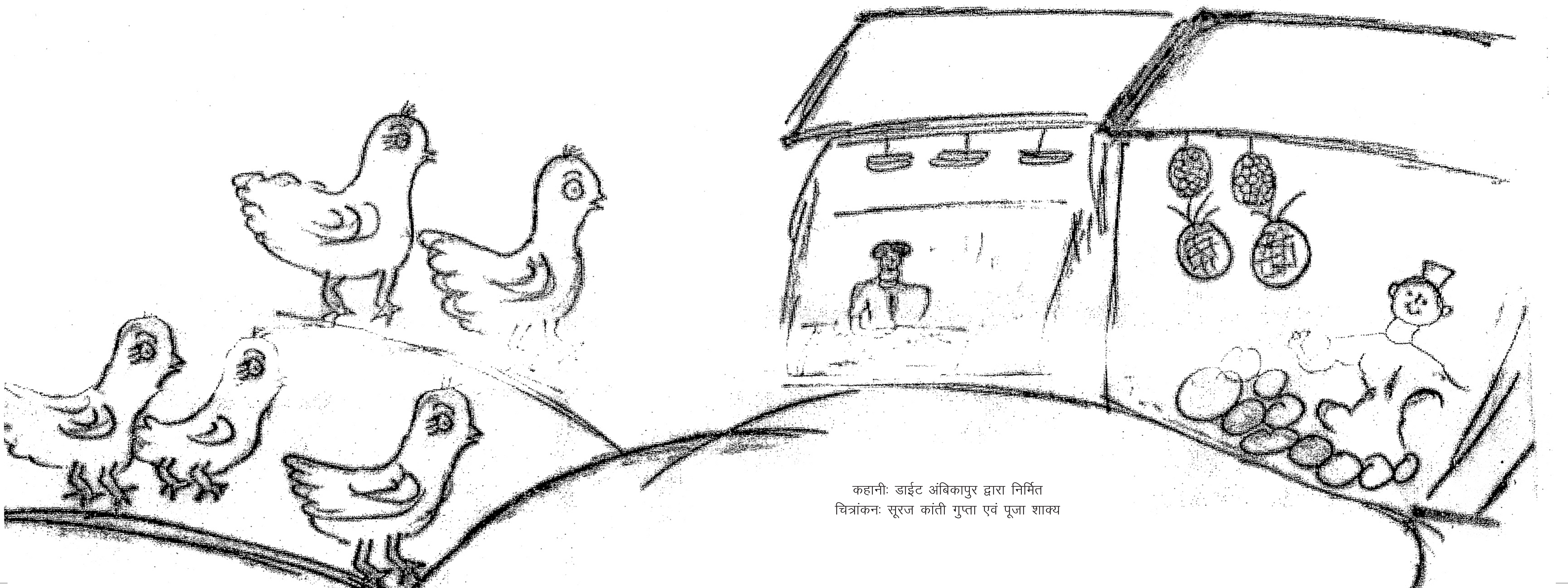

कहानीः डाईट अंबिकापुर द्वारा निर्मित
चित्रांकनः सूरज कांती गुप्ता एवं पूजा शाक्य

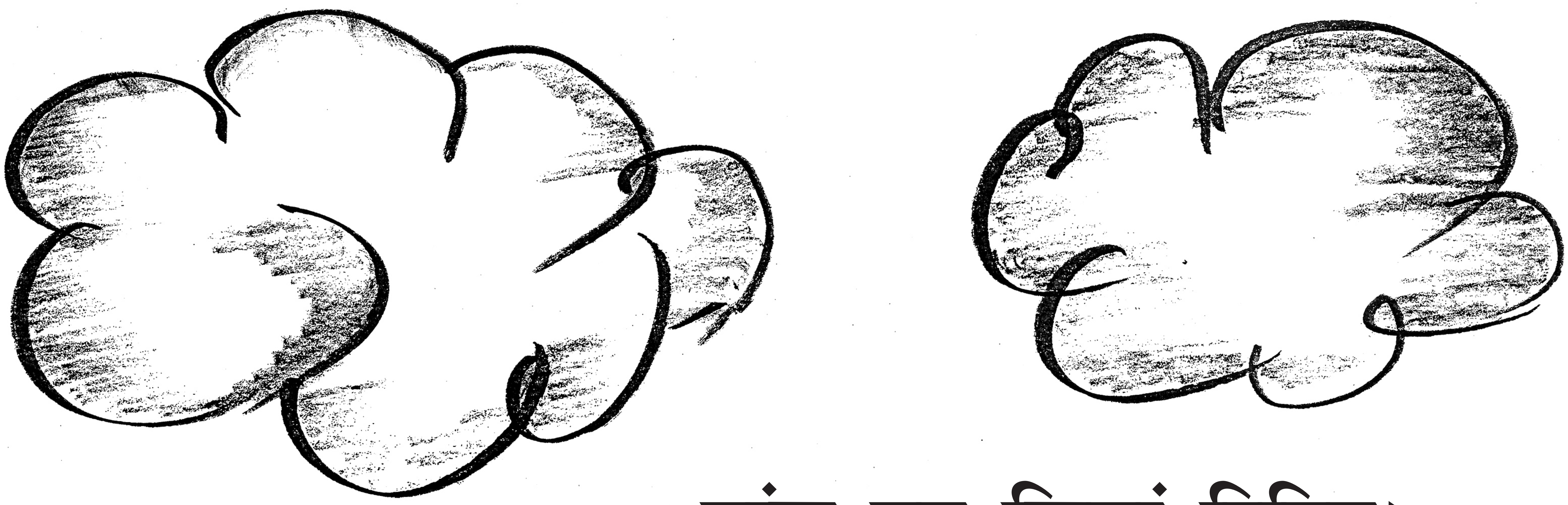

पांच ठन चियां रिहिन।

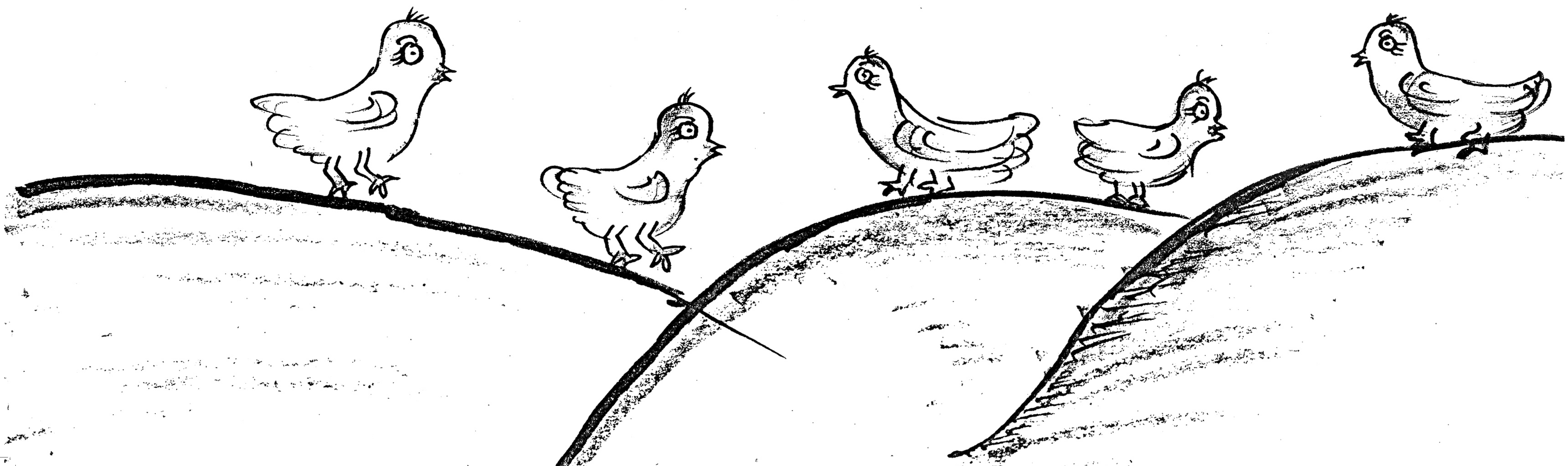

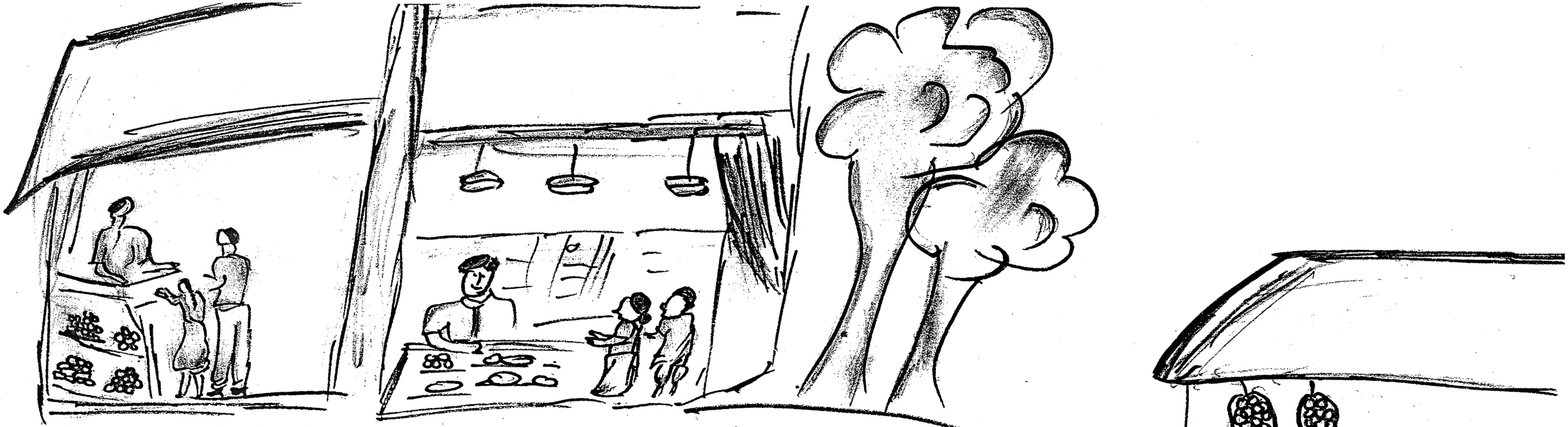

ओमन एक दिन बजार
गिन।

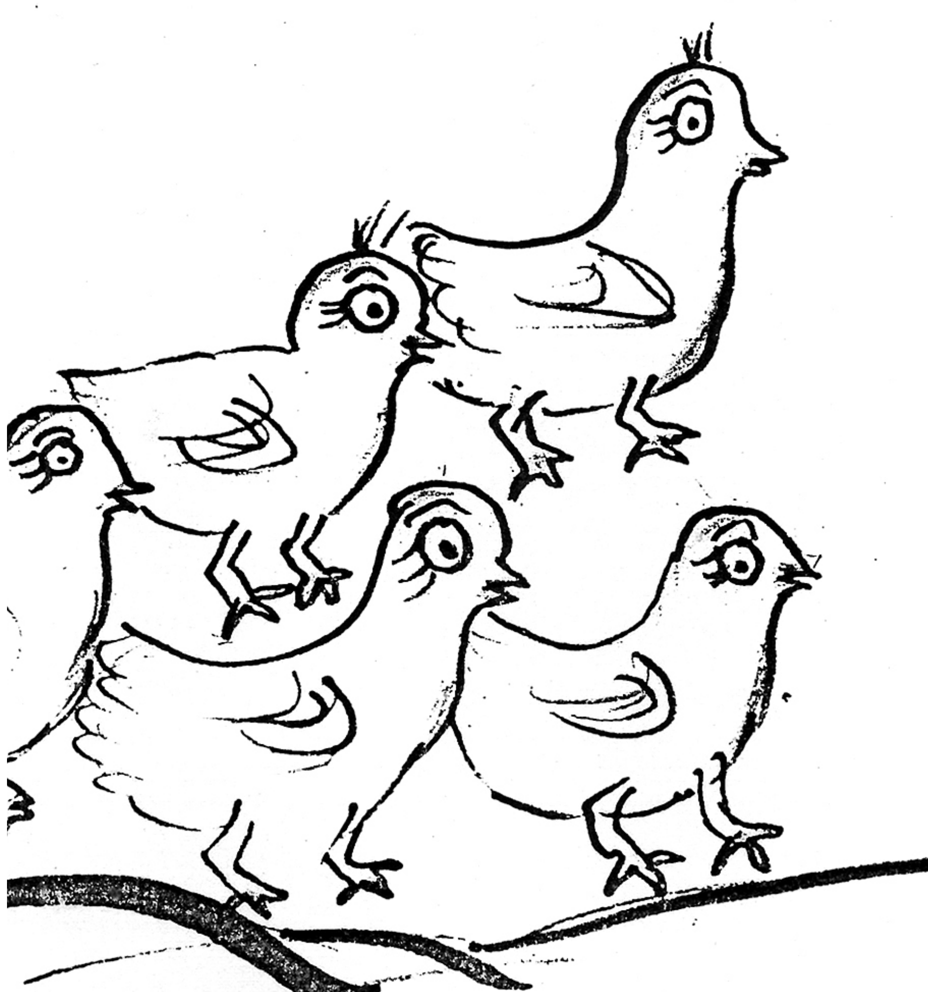

कुकुर घलोहा उंकर संग
म गिस।

चियां ह सीताफल,
केरा अउ आमा बिसाईस।

लहुटती बेरा मा
एक जंगल परिस।

उंहा ले एक ठन कोलिहा निकलिस।

ओहा चियांमन ल
खाय बर सोंचिस।

कुकुर ह कोलिहा ल
डरवा के भगा दिस।

कोलिहा भाग के जंगल म लुकागे।
चिंयामन बचा गें अऊ खुश होगे।

## पांच चियां गिन बाजार

पांच ठन चियां रिहिन। ओमन एक दिन बजार गिन। कुकुर घलोह। उंकर संग म गिस। चियां ह सीताफल, केरा अउ आमा बिसाईस। लहुटती बेरा मा एक जंगल परिस। उंहा ले एक ठन कोलिहा निकलिस। ओहा चियांमन ल खाय बर सोंचिस। कुकुर ह कोलिहा ल डरवा के भगा दिस। कोलिहा भाग के जंगल म लुकागे। चिंयामन बचा गें अऊ खुश होगे।

## पाँच चूज़े गए बाज़ार

पाँच चूज़े थे। एक दिन वे बाज़ार गए। कुत्ता भी उनके साथ गया। चूज़ों ने सीताफल, केले और आम खरीदे। लौटते समय एक जंगल पड़ा। वहाँ से एक लोमड़ी निकली। उसने चूज़ों को खाना चाहा। कुत्ते ने लोमड़ी को डराकर भगा दिया। लोमड़ी भाग कर जंगल में छिप गयी। चूज़े बच गए और खुश हो गए।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें